Untitled 1

📘 **PAGE TITLE:**
Ahuti (Homa Dravya) and Samidha — Scriptural Definitions, Evidence & Clear Distinctions

---

🔥 1. What is Samidha?

Scriptural Definition:
"**Samidhaḥ agner upasthānam.**" — Kātyāyana Śrautasūtra 6.1
= Samidha is the *fuel wood* that sustains the sacred fire.

"**Samidho 'gnim upatiṣṭhanti.**" — Śatapatha Brāhmaṇa 2.2.4.6
= Samidha are the sticks that keep the fire steady.

⭐ Clear Meaning:

Samidha = Fuel wood
Purpose = To ignite and maintain fire
Not offered to deities.

Examples:
Peepal, Mango, Palash, Devadaru, Bamboo, Amaltas wood, etc.

🥣 2. What is Ahuti / Homa Dravya?

Scriptural Definition:
"**Havyaṁ nāma yat dravyaṁ devatābhyo dīyate.**" — Śatapatha Brāhmaṇa 1.6.1.1
= Any substance *offered to the deities through fire* is called Ahuti.

"**Devā havyena tṛpyanti.**" — Taittirīya Brāhmaṇa 2.2.3.1
= The gods are pleased by **havyam (food offering)**.

⭐ Clear Meaning:

Dravya = Food-offering for the deities
It is not fuel; it is an oblation.

Examples:
Rice, barley, sesame, ghee, honey, sugar, herbs, sandalwood powder, lotus seeds, rose petals, nagakesara, aromatic resins etc.

🌟 3. Clear Difference Between Samidha and Dravya

Aspect	Samidha (Fuel wood)	Dravya / Ahuti (Oblation)
Meaning	Fire-fuel sticks	Food given to deities
Purpose	Maintain fire	Nourish / please deities
Scriptural Basis	Śatapatha Br., Kātyāyana	Śatapatha Br., Taittirīya Br.
Role in Fire	Just fuel	Actual offering
Consumed by Deities?	❌ No	✅ Yes ("devā havyena tṛpyanti")
Examples	Wood sticks	Ghee, grains, herbs, flowers

🌿 4. Why wood cannot be Dravya?

Śatapatha Brāhmaṇa 3.2.2:
"**Havir nāma annam.**"
= *Havir* means **food**.

Wood is **not food**, therefore:

➞ Wood ≠ Dravya
➞ Wood pieces = Samidha (fuel)
➞ Wood powder (fragrant or medicinal) = Dravya

🌸 5. Special Clarifications (Your Questions)

✓ Sandalwood

- Powder → Dravya (fragrance offering)
- Wood pieces → Samidha
  Source: Agni Purāṇa 218

✓ Devadaru (Himalayan Cedar)

"**Devadāruḥ samidhah**" — Taittirīya Br.
→ Samidha only.

✓ Bakuchi

- Seeds → Dravya (herb category)
- Wood/stem → Not Dravya (Samidha)

✓ Amaltas

- Pods/seeds → Dravya
- Wood → Samidha

✨ Golden Rule

Anything edible, aromatic, medicinal, or floral—offered to deities—is Dravya.
Anything that burns to support the fire is Samidha.

📘 **पृष्ठ शीर्षक:**
आहुति (द्रव्य) और सामिधा — शास्त्रीय परिभाषा, प्रमाण एवं स्पष्ट अंतर

🔥 1. सामिधा (Samidha) क्या है?

शास्त्रीय परिभाषा:
"समिधः अग्नेरुपस्थानम्।" — कात्यायन श्रौतसूत्र (6.1)
अर्थ: अग्नि को धारण एवं पोषित करने वाली लकड़ी **सामिधा** कहलाती है।

"समिधोऽग्निमुपतिष्ठन्ति।" — शतपथ ब्राह्मण (2.2.4.6)
अर्थ: अग्नि को स्थिर रखने वाली लकड़ी ही समिधा है।

⭐ स्पष्ट अर्थ:

सामिधा = अग्नि का ईंधन
उद्देश्य = अग्नि को प्रज्वलित और स्थिर रखना
यह देवता को अर्पित नहीं होती।

उदाहरण (Samidha):
पीपल, आम, बेर, पलाश, देवदारु, आमलतास की लकड़ी, बाँस आदि।

🥣 2. आहुति / होमद्रव्य (Dravya / Ahuti) क्या है?

शास्त्रीय परिभाषा:
"हव्यं नाम यत् द्रव्यं देवताभ्यो दीयते।" — शतपथ ब्राह्मण (1.6.1.1)
अर्थ: जो पदार्थ देवताओं को अग्नि के माध्यम से समर्पित किया जाए, वह **आहुति / द्रव्य** है।

"देवा हव्येन तृप्यन्ति।" — तैत्तिरीय ब्राह्मण (2.2.3.1)
अर्थ: देवता **हव्य (food offering)** से संतुष्ट होते हैं।

⭐ स्पष्ट अर्थ:

द्रव्य = देवताओं का "भोजन", जो अग्नि द्वारा अर्पित किया जाता है
यह ईंधन नहीं, बल्कि **अर्पण (oblation)** है।

उदाहरण (Dravya):
तिल, जौ, चावल, घृत, मधु, गुड़, पुष्प, जड़ी-बूटियाँ, चन्दन चूर्ण, कमल बीज, नागकेशर, गन्धद्रव्य आदि।

🌟 3. आहुति और सामिधा का स्पष्ट अंतर (Scripture-backed)

पक्ष	सामिधा (Samidha)	द्रव्य / आहुति (Dravya / Ahuti)
परिभाषा	अग्नि को धारण करने वाली लकड़ी	देवों को अर्पित किया जाने वाला खाद्य-सामग्री
उद्देश्य	अग्नि को जलाना	देवता का तृप्तिकरण
शास्त्रीय प्रमाण	कात्यायन श्रौतसूत्र, शतपथ ब्राह्मण	शतपथ ब्राह्मण, तैत्तिरीय ब्राह्मण
अग्नि में भूमिका	केवल ईंधन	देवता को समर्पित
क्या देवता इसका सेवन करते हैं?	❌ नहीं	✅ हाँ ("देवा हव्येन तृप्यन्ति")
उदाहरण	पीपल/आम की लकड़ी, देवदार	तिल, जौ, घी, फूल, औषधियाँ

🌿 4. विशेष नोट — लकड़ी Dravya क्यों नहीं है?

शतपथ ब्राह्मण कहता है:
"हविर्नाम अन्नम्।" (3.2.2)
= हव्य का अर्थ "अन्न / खाद्य" है।

लकड़ी **अन्न** नहीं है, इसलिए:

➡ लकड़ी कभी Dravya नहीं बनती।
➡ लकड़ी के टुकड़े = Samidha (fuel)।
➡ सुगंधित लकड़ी का चूर्ण = Dravya (gandha)।

🌸 5. आपके प्रश्नों के विशेष उत्तर

✓ चन्दन की लकड़ी

- चन्दन **चूर्ण** → Dravya (गन्धद्रव्य)
- चन्दन **लकड़ी/टुकड़ा** → Samidha
  प्रमाण: अग्नि पुराण 218
  "धूपं चन्दनं लोभानं हविर्भूतानि।"

✓ देवदार लकड़ी

- तैत्तिरीय ब्राह्मण: "**देवदारु समिधः**" → Samidha

✓ बकुची (Bakuchi)

- बकुची बीज → Dravya (औषधि)
- बकुची लकड़ी → Samidha (fuel)

✓ अमलतास की फली

- फली/बीज → Dravya
- लकड़ी → Samidha

✨ सार-सूत्र (Golden Rule)

जो पदार्थ देवता-भोजन रूप में अर्पित हो — वह Dravya।
जो पदार्थ केवल अग्नि को जलाए — वह Samidha।